



खबर संक्षेप

खोड़मा में युवक ने ख्या

जहरीला पदार्थ, मौत

नारनौल। खोड़मा गांव में एक युवक ने अज्ञात कारणों के चलते जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक का नागरिक अस्पताल से पोस्टमॉर्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। गांव खोड़मा निवासी करीब 24 वर्षीय गौरव की छह माह पहले ही उसकी शादी हुई थी। बीते कल गांव की बणी में जाकर उसने जहरीला पदार्थ खा लिया, जिससे उसकी तबीयत खराब हो गई। आसपास के लोगों ने जब उसको बणी में पड़े हुए देखा तो परिजनों ने युवक को उपचार के लिए एक निजी अस्पताल पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान गौरव ने दम तोड़ दिया।

सीआईए ने अवैध

शराब बरामद की

कनीना। सीआईए ने छापेमारी कर एक बाइक सवार व्यक्ति से 13 बोतल अवैध देशी शराब बरामद की है। सीआईए के एचसी अनिल कुमार की शिकायत पर शहर थाना पुलिस ने आरोपित के खिलाफ केस दर्ज कर आगामी कारवाई शुरू कर दी है। सिटी थाना इंचार्ज राकेश कुमार ने बताया कि सीआईए महेंद्रगढ़ ने बाइक सवार से अवैध देशी शराब बरामद करने में की है। आरोपित की पहचान शैतान सिंह वासी खरकड़ा बास के रूप में हुई है।

बिजली उपभोक्ताओं के लिए समाधान शिविर कल

नारनौल। दक्षिण हरियाणा बिजली

वितरण निगम उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित समाधान हेतु कल नारनौल को विशेष बिजली अदालत व बिजली बिल समाधान शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर बिजली बोर्ड के सफ़ल कार्यालय सिंधाना रोड में प्रातः 11 बजे से दोपहर एक बजे तक आयोजित किया जाएगा। अधीक्षक अभियंता जोगेंद्र हुड्डा ने बताया कि उपभोक्ता इस अवसर पर अपनी बिजली कनेक्शन से जुड़ी शिकायतों व बिल संबंधी समस्याएं सीधे अधिकारियों के समक्ष रख सकेंगे।

स्वयंसेवकों को किया सम्मानित

नारनौल। पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नांगल दुर्ग में सात दिवसीय एनएसएस कैम्प के चौथे दिन साइबर क्राइम, साइबर सिक्योरिटी, डिजिटल लिटरेसी, प्रभातफेरी, योग व शारीरिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या कैलाश यादव ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विद्यालय भाभाशाह मुकेश शर्मा थे। उन्होंने बताया कि बच्चों को समाज के प्रति लोगों को जागरूक व आसपास के वातावरण को साफ रखने में सहयोग करना चाहिए। बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। विशिष्ट अतिथि राजेंद्र सिंह थे। इस मौके पर सरपंच पूर्णमल, वरिष्ठ प्रवक्ता आरएस भोपा, सीमा सामरिया एनएसएस प्रभारी, प्रवेश यादव डीपीई, डॉ. कृष्ण यादव, मखनराम, दर्शन सैन, मालाराम, प्रेम देवी, दया देवी उपस्थित रहे।

एसयूसीआई ने की अमेरिकी

सैन्य हमले की निंदा

नारनौल। एसयूसीआई कम्युनिस्ट ने रविवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का पुतला फूंककर विरोध प्रदर्शन किया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस पार्क के सामने एसयूसीआई कम्युनिस्ट के राज्य सचिव कामरेड राजेन्द्र सिंह ने कहा कि युद्ध पिपासु अमेरिकी साम्राज्यवादियों की ओर से वेनेजुएला पर किए गए बेहद घृणित सैन्य हमले की जिन भी शब्दों में कड़ी निन्दा की जाए, वे कम हैं। यह हमला केवल वेनेजुएला पर ही नहीं, बल्कि पूरे लैटिन अमेरिका पर किया गया है। जिसका उद्देश्य वहां स्थित सभी देशों को बंदूक की नोक पर अधीन करना है। यह स्थिति सभी साम्राज्यवाद विरोधी, युद्ध विरोधी और शांतिप्रिय लोगों से आग्रह करती है।

नव वर्ष मिलन एवं सत्मान समारोह के बहाने गांव भुंगारका में कार्यकर्ताओं के सामने गरजे डॉ. अभय सिंह

राजनीति से सर्दी में गर्माहट

50 साल जीताने पर क्षेत्र का नहीं किया भला!, मेडिकल कॉलेज में सुविधा नहीं तो 6 माह बाद होगा आंदोलन

■ पूर्व सिंचाई मंत्री डॉ. अभय सिंह यादव ने केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह व बेटे स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव का नाम लिए बिना साधा निशाना

■ बोले... अटेली सीट जीताने के लिए जिला की तीनों सीटों को दाव पर लगाया, बबरशेर बन सिर्फ किया शिकार, क्षेत्र का नहीं किया भला

सतीश सैनी ►► नारनौल

सर्दी के इस मौसम में रविवार जिला की राजनीति गर्माहट बढ़ती दिखी। दरअसल, प्रदेश के पूर्व सिंचाई मंत्री एवं नांगल चौधरी के पूर्व विधायक डा. अभय सिंह यादव ने गांव भुंगारका में नव वर्ष मिलन एवं सम्मान समारोह आयोजित किया था। उनके इस कार्यक्रम में महेंद्रगढ़ विधायक कंवर सिंह यादव व अटेली के पूर्व विधायक सीताराम यादव भी मौजूद रहे। समारोह में डा. अभय सिंह यादव बिना नाम लिए केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह व उनकी बेटे स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव पर खूब गरजे। चुनाव के दौरान हार का टिकरा भी उन पर ही फोड़ा। यहीं नहीं, उन्हें यहां तक कह डाला कि इस क्षेत्र के लोगों ने इस परिवार को 50 साल तक जीताकर विधानसभा व लोकसभा में भेजा। इन 50 साल में क्षेत्र का कोई भला नहीं किया।

साल 2014 के बाद भाजपा सत्ता में आई तो मुख्यमंत्री के साथ मिलकर इस क्षेत्र का हमने भला किया, यह बात उन्हें अदालत व बिजली बिल समाधान शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर बिजली बोर्ड के सफ़ल कार्यालय सिंधाना रोड में प्रातः 11 बजे से दोपहर एक बजे तक आयोजित किया जाएगा। अधीक्षक अभियंता जोगेंद्र हुड्डा ने बताया कि उपभोक्ता इस अवसर पर अपनी बिजली कनेक्शन से जुड़ी शिकायतों व बिल संबंधी समस्याएं सीधे अधिकारियों के समक्ष रख सकेंगे।

हवा बनाई नहीं बिगाड़ी

चुनाव जीतने के बाद स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा था कि हमने हवा बनाई तो सरकार बनी। इस बयान पर डॉ. अभय सिंह यादव ने कहा कि चुनाव जीतने के बाद एक ओर कहा गया कि हमने दक्षिणी हरियाणा में हवा बनाई। एक बात बताओ, हवा पार्टी उम्मीदवार को हराने से बनती है या जीतने से बनती है। हवा बनाने वाली की बात सुन लो, हवा बनाने वाली ने एक विधानसभा जीतने के लिए तीन विधानसभा को दाव पर लगा था। नांगल चौधरी के बारे में तो सबको पता है। इन दोनों हलकों में पता करो कि उनको सेना किस पार्टी के

उम्मीदवारों के साथ लगी हुई थी। सभी सेनापतियों को कांग्रेस उम्मीदवारों के साथ लगाए हुए था। क्योंकि वो कांग्रेस उम्मीदवार उन्हें अटेली में मदद कर रहे थे। एक विधानसभा को जीतने के लिए तीन विधानसभाओं को दाव पर लगाते ही और फिर हवा बनाने की बात करते हैं। बल्कि हवा बिगाड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी। महेंद्रगढ़ में कंवरसिंह को तो पानी ने चला लिया। नारनौल में मुख्यमंत्री के कहने पर सेनियों ने बचा लिया। तीनों विधानसभाओं का सौदा कर लिया गया था। पार्टी की ओर से करवाए गए कामों की वजह से हवा बनी है।

40 साल से चल रही रोडवेज बस बंद, जनता में आक्रोश

महेंद्रगढ़। नारनौल डिपो की बस का ठहराव महेंद्रगढ़ व दादरी डिपो की एक बस के बंद हो जाने से यात्रियों को परेशानियां उठानी पड़ रही है। सामाजिक कार्यकर्ता रामनिवास पाटोदा ने बताया कि नारनौल डिपो की रोडवेज जो छह साल से महेंद्रगढ़ में रात के समय ठहराव करती थी और सुबह महेंद्रगढ़ से 5:30 बजे चलकर दिल्ली सराय काले खां 8:45 बजे पहुंचती थी, जिसका विभाग द्वारा रात्रि ठहराव गांव सेहलंग में कर दिया गया। जो सेहलंग से सुबह पांच बजे खाली चलकर महेंद्रगढ़ आएगी और उसके बाद दिल्ली जाएगी। सामाजिक संगठनों का कहना है कि सेहलंग में बस चलाई जानी थी तो एक नई बस और चलाई जा सकती थी। वहीं दूसरी ओर दादरी डिपो की बस शाम के समय लगभग 5:27 बजे चलकर जो महेंद्रगढ़



6:15 के लगभग पहुंचती थी जो बस लगभग 40 साल से चल रही थी जो दादरी से चलकर महेंद्रगढ़-नारनौल से वापसी 7:20 चलकर चंडीगढ़ प्रातः 4:15 पर पहुंचती थी। जिससे यात्री परेशान हैं।

वरिष्ठ नागरिक संगठन 11 को करेगा वृद्ध सम्मान समारोह

चेयरमैन बाबूलाल होंगे वृद्ध सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

वरिष्ठ नागरिक संगठन के प्रधान दुलीचन्द शर्मा ने बताया कि काफी मशकत के बाद उनको संगठन द्वारा 31 दिसम्बर 2025 को 90 वर्ष पूरे करने वालों में सम्मानित होने वाली चार महिलाओं और छह पुरुषों के आवेदन ही प्राप्त हुए हैं। महिलाओं में ग्यारसी देवी मोहल्ला संघोवाड़ा, भगवती देवी मोहल्ला बावड़ीपुर, भरपाई ग्राम लहरोदा और मिट्टी देवी मोहल्ला मियां की सराय नारनौल शामिल हैं। इसी प्रकार छः पुरुषों में हरिराम मोहल्ला पुरानी मण्डी, फतेचन्द मोहल्ला सलामपुरा,

श्यामलाल मोहल्ला पीरागा, सुरजभान जांगिड़ मोहल्ला पुरानी मण्डी एवं श्योनाथ मोहल्ला पुरानी सराय शामिल हैं। उन्होंने बताया कि संगठन का ऐसे वृद्ध जनों को सम्मानित करने का यही उद्देश्य है कि आजकल एकल परिवार की व्यवस्था अधिक पनप रही है, जिससे परिवारों में बुजुर्गों का मान-सम्मान कम होता जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह वृद्ध सम्मान समारोह 11 जनवरी को संगठन कार्यालय किला रोड स्थित साध्वी बहन मिश्री देवी आश्रम में आयोजित किया जाएगा। अध्यक्षता पूर्व वरिष्ठ भूवैज्ञानिक और भारतीय जनता पार्टी जिला उपाध्यक्ष वासुदेव यादव करेंगे। समारोह के मुख्य अतिथि मार्केट कमेटी के चेयरमैन बाबूलाल यादव प्रधान होंगे।

पुलिस ने वाहनों पर चिपकाए रिफ्लेक्टर टेप

कनीना। कड़ाके की ठंड व धुंध कोहरे में यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य पुलिस की ओर से 31 जनवरी तक सड़क सुरक्षा माह का आयोजन किया जा रहा है। इस अवधि के दौरान पुलिस कर्मचारी सीख से सुरक्षा, तकनीक से परिवहन थीम पर आमजन को जागरूक करेंगे। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के नेतृत्व में उप पुलिस अधीक्षक सुरेश कुमार के दिशानिर्देशन में यातायात प्रबंधक व सभी थाना इंचार्ज प्रतिदिन सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करेंगे। रविवार को थाना शहर पुलिस ने अभियान चलाया। जिसके अंतर्गत सड़क से गुजरने वाले भारी वाहनों, ट्रैक्टर ट्रॉली व पिकअप गाड़ियों पर रिफ्लेक्टर टेप चिपकाए। थाना इंचार्ज राकेश कुमार ने कहा कि सुरक्षित यात्रा करने की नसीहत दी।

प्रदेश में सबसे ज्यादा ठंडी रात महेंद्रगढ़ की, पारा 3.0 डिग्री

अब हाड़कंपा देने वाली सर्दी के लिए रहें तैयार

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

ठंड का सिलसिला लगातार जारी है, लेकिन आने वाले दिनों में हाड़कंपा देने वाली जबरदस्त ठंड से आमजन को रूबरू होना पड़ेगा। पिछली पश्चिमी मौसम प्रणाली से वातावरण में मौजूद नमी से सम्पूर्ण मैदानी राज्यों विशेषकर हरियाणा एनसीआर दिल्ली में ऊपरी सतह व निचली सतह का कोहरा ने सम्पूर्ण इलाके को अपने आगोश में समा लिया था। जिसकी वजह से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में केवल दिन के तापमान में गिरावट से कोल्ड डे की स्थिति देखने को मिली, जबकि रात के तापमान में ज्यादा गिरावट देखने को नहीं मिल रही थी, लेकिन अब हवाओं की दिशा उत्तरी पश्चिमी बर्फीली हो गई है। जिसकी वजह से आने वाले दिनों में ठंड धीरे धीरे अपना विकराल



रूप धारण करगी।

बता दें कि पश्चिमी मौसम प्रणाली से उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर लगातार बर्फबारी जारी है। हिमालय पर्वत की चोटियां बर्फ से ढकी हुई हैं और ध्रुवीय क्षेत्रों से आने वाली उत्तरी बर्फीली हवाएं हिमाच्छादित शिखरों



नारनौल। अभय सिंह चौटाला से मिलते पूर्व विधायक राधेश्याम शर्मा।

पूर्व विधायक राधेश्याम शर्मा इनेलो में होंगे शामिल

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

हरियाणा की राजनीति में एक बार फिर बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। जिले की नारनौल विधानसभा में पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ नेता राधेश्याम शर्मा ने कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा देकर इंडियन नेशनल लोकदल में शामिल होने का निर्णय लिया है।

इस फैसले को कांग्रेस के लिए बड़ा राजनीतिक झटका माना जा रहा है, जबकि इनेलो के लिए न केवल दक्षिणी बल्कि पूरे हरियाणा में मजबूती देने वाला कदम बताया जा रहा है। पूर्व विधायक राधेश्याम शर्मा ने हाल

ही में गुरुग्राम स्थित इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला के निवास पर उनसे मुलाकात की।

इस मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं के बीच प्रदेश की राजनीति, संगठन विस्तार और भविष्य की रणनीति को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। सूत्रों के अनुसार इसी बैठक में राधेश्याम शर्मा के इनेलो में शामिल होने की औपचारिक रूपरेखा तय की गई। जानकारी के अनुसार 18 जनवरी को जिले के नांगल चौधरी में एक भव्य जनसभा का आयोजन किया जाएगा। जिसमें समर्थकों की मौजूदगी में राधेश्याम शर्मा औपचारिक रूप से इनेलो की सदस्यता ग्रहण करेंगे।

उनके परिवार में कोई हारा नहीं हो तो बताएं

चुनाव परिणाम के बाद एक बात और सामने आई। बड़े हंसकर कहा कि हम जीत गए और वो हार गया। यह बात मानते हैं और सच्चाई भी है। उन्होंने एक कहानी का उदाहरण दिया और कहा कि जो कहने वाले हैं वह यह बता दें कि उनके परिवार में ऐसा कौन सा आदमी है जो चुनाव लड़ा हो और कभी हारा नहीं हो।

कॉलेज में नहीं सुविधा आंदोलन चेतावनी

अंतिम बात और कहता हूँ। मुख्यमंत्री मनोहरलाल के आशीर्वाद से नहरी पानी, मेडिकल कॉलेज, सड़क, लॉजिस्टिक हब जैसी अनेक विकास योजनाएं हैं। माजपा ने मेडिकल कॉलेज जैसा बड़ा संस्थान दिया है। एक दिन मेडिकल कॉलेज में गया तो मकन को देख बड़ा रोमांचित हुआ। शाम होते होते चेहरे में उदसी आ गई कि इस अस्पताल में अब ना डॉक्टर है ना मरीजों है और ना ही सुविधाएं हैं। कीमती मशीनें भी बेकार पड़ी हैं। यह कॉलेज राजनीति की गेट चढ़ने जा रहा है। इन लोगों ने इस कॉलेज को बर्बाद करने की योजना बनाई हुई है। इसके लिए जब तक आप और हम आगे नहीं आते, तब तक कॉलेज सही नहीं चलेगा। सभी चलने को तैयार हो। वहां बैठे लोगों ने हथ उठाए तो पूर्व विधायक ने कहा कि आठ माह हो गए इस कॉलेज को आपोड़ी शुरू हुए। खांसी जुकाम से ज्यादा इलाज वहां नहीं हो रहा। मरीजों को अभी भी नारनौल अस्पताल से जरापुर, रोहतक अन्य अस्पताल में रेफर किया जा रहा है। हमने जब कॉलेज बनाया तो मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने जनता से वादा किया था कि कॉलेज शुरू होने के बाद दिल्ली, जयपुर या रोहतक नहीं जाना पड़ेगा। यहां की जनता उसी उम्मीद में कॉलेज को देख रही है।

मुझे पता है कि जिस तरह इस कॉलेज के लिए फैसले लिए जा रहे हैं। वह मुख्यमंत्री से भी आग्रह करेंगे कि स्वयं या किसी सीनियर मंत्री को मेजवर इस कॉलेज की हालत देखे। सरकार ने साढ़े सात सौ करोड़ लगाकर इस कॉलेज को मकन बनाया। वह आज यहां से एक पलान कर रहे हैं कि छह माह का समय और दे रहे हैं। इस कॉलेज को सुधार लें। छह माह बाद में उन्होंने हमें आंदोलन का रास्ता बता दिया है, उसी रास्ते पर आंदोलन करेंगे। एक बात और स्पष्ट करना चाहता हूँ कि वह धरना 20-25 लोगों का नहीं होगा, हजारों लोग शामिल होंगे। वह ज्यादा दिन तक चुप्पी साधे नहीं रह सकता।

50 साल राज किया, किसी सीएम से नहीं बनी

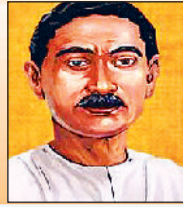
उन्होंने कहा कि हमने दिल से उन लोगों को चुना और उन्होंने वहां जाकर मुख्यमंत्रियों के साथ लड़ाई शुरू कर दी। आपने एक नेता को बड़े सालों से पाला है। आप समझे कि उस नेता की किसी एक भी मुख्यमंत्री से बनेगी नहीं। चौधरी मजन लाल, बंसीलाल, हुड्डा व मनोहरलाल जी। किसी एक भी सीएम के साथ नहीं बनी। अगर सीएम के साथ बनाकर नहीं रखेंगे तो इलाके में विकास कौन और कैसे होगा? इसी कारण यह इलाका पीछे व और पिछड़ा हुआ चला गया। साल 2014 में हमारे जैसे सामान्य परिवार की बबरशेर कहते थे। राजा बना दिया। राजा तो प्रजा को प्रजा की तरह देखेगा, माई बहनो या साथियों की तरफ नहीं देखेगा। हम चार-चार घंटे लोगों को चुनते हैं तो हम अहंकारी और धर्मडी हो गए। जो घटने में एक दिन देते हैं वह क्षेत्र के हितकारी हो गए। जहां तक बबरशेर की बात है, वह तो शिकार ही करेगा। शिकार करेगा तो उसके लिए अपने पराये कुछ नहीं है। अहीरवाल की राजनीति पर नजर दौड़ाकर देखिए, कितने लोगों का शिकार इन बबरशेरों ने किया है।

रहे हैं, तब यह काम क्यों नहीं हुआ? हर बार लगता था। फिर चुनाव परिणाम के बाद चुनाव में एक ही नारा एसवाईएल नरह का भूला दिया जाता था।

रिटायरमेंट होने या नहीं होने पर बोले

डा. अभय सिंह यादव ने राव इंद्रजीत सिंह का नाम लिए बिना कहा कि अपने आप ही कहते हैं कि मैं रिटायर हो रहा हूँ। फिर अपने आप ही मोदी जी का मुकाबला करते हैं और कहते हैं कि मोदी जी नहीं रिटायर हो रहे तो मैं क्यों हूँ। आपको किसने कहा है रिटायर होने के लिए? पार्टी ने नहीं कहा, किसी व्यक्ति ने नहीं कहा। अगर मोदी जी का मुकाबला करते हो तो उनका बड़ा दिल भी रखो। तुलना तो कम से कम बराबर चलाने से करो। आपको बताते चले कि कुछ दिनों पहले राव इंद्रजीत सिंह ने रिटायरमेंट समाय होने और बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम लेकर रिटायरमेंट नहीं होने की बात कही थी।

नहीं हुआ? वोट तो हम देते आए हैं। सांसद व विधायक भी हमने खूब बनाए हैं। हमने तीन-तीन पीढ़ियों को विधायक व सांसद बनाया है। यहाँ जो आया उसे ही जीताकर भेज दिया। यह भी नहीं है कि 2014 से पहले हमने जिस पार्टी से सांसद या विधायक बनाया, उनकी सरकार नहीं बनी ही। यहां से मंत्री भी रहे हैं। केंद्र में भी मंत्री



जो शिक्षा प्रणाली लड़के- लड़कियों को सामाजिक बुराई या अन्याय के खिलाफ लड़ना नहीं सिखाती तो उस शिक्षा में जरूर कोई न कोई बुनियादी खराबी है।
- मुंशी प्रेमचंद

पहला घूंट भरते ही अद्विक बोला, 'भाइयों, एक पल के लिए कल्पना करो। अगर आज हम शादीशुदा होते, तो क्या यहाँ इस तरह बैठे होते? मुमकिन है कि अयांश घर पर बच्चों का डायपर बदल रहा होता, अमन पत्नी की शॉपिंग लिस्ट के साथ मॉल में धक्के खा रहा होता और मैं स्कूल की फीस जमा करने की लाइन में लगा होता। यह आजादी जो हमें मिली है, वह अनमोल है।' चारों ने एक साथ 'चीयर्स' कहा और माहौल और भी गहरा हो गया।



कहानी

डॉ. मधुकांत

दि संबर की सर्द हवाएँ जब देश के उत्तरी हिस्सों में टिडरुन पैदा कर रही थीं, तब गोवा की सुनहरी रेत और लहरों का शोर चार दोस्तों के स्वागत के लिए तैयार था। अद्विक, अमन, विधान और अयांश—ये चार नाम नहीं, बल्कि एक अदृष्ट दोस्ती की मिसाल थे। हर साल की तरह इस बार भी नए साल का जश्न मनाने के लिए उन्होंने गोवा के एक आलीशान पांच सितारा होटल को अपना ठिकाना बनाया। यह होटल उनकी सफलता और उनकी मेहनत की कमाई का गवाह था। होटल में दो 'कनेक्टिंग रूम' बुक किए गए थे। इन कमरों की खासियत यह थी कि इनके बीच का दरवाजा खोलते ही ये एक विशाल सुइट में तब्दील हो जाते थे। चारों दोस्तों ने कमरे में घुसते ही सबसे पहला काम उस दरवाजे को खोलने का किया। यह दरवाजा केवल लकड़ी का नहीं था, बल्कि उनके बीच के खुलेपन और पारदर्शिता का प्रतीक था।

30 से 32 वर्ष की उम्र के ये चारों युवा न केवल शारीरिक रूप से फिट थे, बल्कि अपने करियर में भी ऊंचाइयों को छू रहे थे। उनकी एक और समानता यह थी कि वे सभी अभी तक 'सिंगल' थे और अपनी इस आजादी का भरपूर आनंद ले रहे थे। अद्विक, अमन और विधान कमरे में पहुँच चुके थे और सामान व्यवस्थित कर रहे थे। अद्विक ने चढ़ी की ओर देखते हुए कहा, 'अरे भाई, हम तीनों तो समय पर आ गए, लेकिन अयांश का अभी तक कोई अता-पता नहीं है। दिल्ली में बैठकर बड़ी-बड़ी हाँक रहा था कि इस बार सबसे पहले

कुंवारे नेता जिंदाबाद

पहुँचकर तुम लोगों का स्वागत करूँगा।' अमन ने खिड़की से समुद्र की लहरों को निहारते हुए मुस्कुराकर कहा, 'अरे अद्विक, तू अयांश को नहीं जानता? वह वादाखिलाफी नहीं करता। वह असल में हम सबसे पहले पहुँचा है। रिसेप्शन पर पता चला कि वह सीधे बीच पर लहरों से टकराने चला गया है। शाम ढल रही है, अब उसके आने का ही वक्त है।' अभी बात चल ही रही थी कि कमरे का दरवाजा धड़धड़ाते हुए खुला। कंधे पर गिटार टांगे और चेहरे पर सूरज की तपिश लिए अयांश ने प्रवेश किया। 'मैं आ गया दोस्तों! सुना है कोई मुझे याद कर रहा था?' अयांश की आवाज में वही पुरानी खनक थी। चारों दोस्त एक-दूसरे के गले मिले। खुशी का आलम यह था कि अयांश ने वही थिरकना शुरू कर दिया। उसकी यह पुरानी आदत थी— जब भी वह भावुक या खुश होता, उसके पैर अपने आप थिरकने लगते। देखते ही देखते बाकी तीनों भी उसके साथ नाचने लगे। होटल का वह कमरा उनकी हंसी और ठाकों से गुंज उठा। कुछ देर की मस्ती के बाद अयांश ने अद्विक के कंधे पर हाथ रखा और कहा, 'अद्विक भाई, तू तो हमारा 'इवेंट मैनेजर' है। साल खत्म होने में कुछ ही घंटे बचे हैं और अभी तक रजिस्टर खाली है? तैयारी कहाँ तक पहुँची?' अद्विक ने रहस्यमयी मुस्कान के साथ बगल वाले कमरे की ओर इशारा किया, 'सब इंतजाम पक्का है मेरे दोस्त। उस कमरे में चल, वहाँ

जनत सजी है।' चारों दोस्त बगल वाले कमरे में पहुँचे, जहाँ एक गोल मेज पर दुनिया भर की बेहतरीन डिक्स, स्नेक्स और डिनर का प्रबंध था। अद्विक ने बड़ी कुशलता से पैग बनाने शुरू किए। पहला घूंट भरते ही अद्विक बोला, 'भाइयों, एक पल के लिए कल्पना करो। अगर आज हम शादीशुदा होते, तो क्या यहाँ इस तरह बैठे होते? मुमकिन है कि अयांश घर पर बच्चों का डायपर बदल रहा होता, अमन पत्नी की शॉपिंग लिस्ट के साथ मॉल में धक्के खा रहा होता और मैं स्कूल की फीस जमा करने की लाइन में लगा होता। यह आजादी जो हमें मिली है, वह अनमोल है।' चारों ने एक साथ 'चीयर्स' कहा और माहौल और भी गहरा हो गया। अयांश की 'शहीद' होने वाली कहानी बातों का सिलसिला निकला तो अमन ने अयांश की ओर देखते हुए पूछा, 'अरे अयांश, पिछले हफ्ते तू फोन पर बहुत परेशान था। कह रहा था कि घर में 'इमरजेंसी' है। फिर तूने बताया नहीं कि उस शादी वाले मामले का क्या हुआ?' अयांश ने एक लंबी और राहत भरी सांस ली। 'भाई, मैं तो मौत के मुँह से वापस आया हूँ। तुम्हें तो पता है मेरे पापा मिलिट्री से रिटायर हुए हैं। उनके लिए अनुशासन और आदेश ही सब कुछ है। पिछले दो साल से उन्होंने मेरी शादी को अपना एकमात्र मिशन बना लिया था। इस बार मम्मी ने फोन किया कि उनकी तबीयत बहुत खराब है, मुझे तुरंत घर आना होगा। मैं घबराकर दिल्ली से गाँव पहुँचा, तो देखा मम्मी बिल्कुल भली-चंगी रसोई में पकौड़े तल रही हैं।' अयांश ने आगे बताया, 'तभी

रात के 12 बजने वाले थे। खिड़की के बाहर गोवा के आसमान में आतिशबाजी शुरू हो चुकी थी। चारों दोस्तों ने एक बार फिर अपने गिलास उठाए। उनकी आँखों में भविष्य के प्रति कोई डर नहीं था, बल्कि अपनी चुनी हुई राह पर चलने का एक गर्व था। उन्होंने जोर से नारा लगाया— 'कुंवारे नेता जिंदाबाद! आजादी जिंदाबाद!' होटल के उस कमरे में चार अलग-अलग कहानियाँ थीं, लेकिन सबका सार एक ही था, अपनी शर्तों पर जीवन जीना।

तक शांत बैठा था, बोला, 'अयांश, तूने तो ड्रामा करके खुद को बचा लिया, लेकिन मेरे पड़ोस में रामू आंटी के बेटे का हाल देखो तो रूह कांप जाती है। उसने दहेज और रसूख के लालच में एक बहुत अमीर लड़की से शादी की। आज स्थिति यह है कि उस लड़की ने अपनी अकड़ में बेचारी रामू आंटी को ओल्ड एज होम भेज दिया है। वह लड़का अपने ही घर में एक नौकर की तरह रहता है। उसकी कोई अपनी इच्छा नहीं बची। जब मैं उसे देखता हूँ, तो मुझे लगता है कि अकेले रहकर चैन की नींद सोना किसी भी आलीशान महल की गुलामी से बेहतर है।' अंत में सबकी निगाहें चौथे दोस्त पर टिकीं। वह शांत, गंभीर और हमेशा खादी के कुत्ते में रहने वाला व्यक्ति था, जिसे सब प्यार से 'नेताजी' बुलाते थे। अद्विक ने पूछा, 'नेताजी, आप तो समाजसेवा की बातें करते हैं। आप क्यों इस गृहस्थी के झमेले से दूर रहना चाहते हैं?' नेताजी ने अपने चश्मे को ठीक किया और बहुत गंभीरता से कहा, 'दोस्तों, मेरा लक्ष्य केवल व्यक्तिगत सुख नहीं, बल्कि समाज की सेवा है। राजनीति की बिनास पर कुंवारा होना एक बहुत बड़ी ताकत है। इसके पीछे मेरे अपने दोस तक हैं।' उन्होंने उंगलियों पर गिनवाते हुए कहा 1. समय की प्रचुरता: एक शादीशुदा नेता हमेशा घर और जनता के बीच बंटा रहता है। मुझे न घर की चिंता करनी है, न बच्चों के स्कूल की। मेरा 24 घंटा जनता का है। 2. ईमानदारी की छवि: जनता उस नेता पर ज्यादा भरोसा करती है जिसके आगे-पीछे कोई न हो। लोग सचते हैं कि यह किसके लिए भ्रष्टाचार करेगा? इसका तो कोई वारिस ही नहीं है। 3. विरासत का मोह नहीं: हमने देखा है कि बड़े-बड़े नेताओं के बिगड़ेल बेटे ही अपने पिता की मेहनत पर जानी फेर देते हैं। परिवारवाद की जड़ ही परिवार है। जब परिवार ही नहीं होगा, तो मोह कहाँ से आएगा? भारत के इतिहास में भी देखो, कई बड़े मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री कुंवारे रहे हैं और उनकी छवि बेदाग रही है। नेताजी की बातों में एक अलग ही गहराई थी। उन्होंने निष्कर्ष निकालते हुए कहा, 'मैंने तय किया है कि मेरा जीवन किसी एक स्त्री या बच्चे के लिए नहीं, बल्कि समाज के हर उस बच्चे के लिए होगा जिसे मेरी जरूरत है। इसलिए—नो शादी, नो बच्चे, बस सेवा।' रात के 12 बजने वाले थे। खिड़की के बाहर गोवा के आसमान में आतिशबाजी शुरू हो चुकी थी। चारों दोस्तों ने एक बार फिर अपने गिलास उठाए। उनकी आँखों में भविष्य के प्रति कोई डर नहीं था, बल्कि अपनी चुनी हुई राह पर चलने का एक गर्व था। उन्होंने जोर से नारा लगाया— 'कुंवारे नेता जिंदाबाद! आजादी जिंदाबाद!' होटल के उस कमरे में चार अलग-अलग कहानियाँ थीं, लेकिन सबका सार एक ही था, अपनी शर्तों पर जीवन जीना। संगीत तेज हुआ, आतिशबाजी से आसमान रंगीन हो गया और इसी के साथ नए साल का आगाज हुआ। वे चारों दोस्त, जो समाज की नजर में शायद 'अधुर' थे, अपनी नजरों में पूरी तरह 'मुकम्मल' महसूस कर रहे थे।

कविता

सुधीर डांडा कौल



डंडे की मार

जानवरों से मुझे लगाव बहुत है, उन्हें पालने का चाव बहुत है।

एक साथ बिल्ली बंदर कुत्ते को पाला, साफ़ेद कुत्ता, भूरा बंदर, बिल्ली का रंग था काला।

थी तीनों का गजब की यारी, बिल्ली कुत्ते खेलते बंदर करता सवारी।

एक ही कटोरे में तीनों खाते थे, एक दूसरे से लिपटकर सोते थे।

बंदर को मैं गाड़ी पर ले जाता था, कुत्ता बिल्ली के पास घर पर रहता था।

अपने हाथों से खाना उन्हें खिलाता था, दूध कटोरे में खूब उन्हें पिलाता था।

एक दिन मेरी माँ ने गुस्से में बिल्ली को डंडा मार दिया

और उस प्यारे कुत्ते को भी घर से बाहर निकाल दिया।

डंडे से बिल्ली की टाँग टूट गई, बिल्ली का दर्द देख माँ रूठ गई।

माँ ने मरहम बनाई और बिल्ली की टाँग पर लगाई,

बहुत दिनों बाद बिल्ली बेचारी थोड़ा थोड़ा चल पाई।

बिल्ली घर से दौड़ गई, कुत्ते की हो मौत गई,

बंदर को मैंने छोड़ दिया, जानवरों से जाता तोड़ दिया।

सुधीर टूट गई तीनों की यारी, ये थी बातें बचपन की सारी।

इसमें कुछ भी झूठ नहीं है, मेरे पास फोटो जैसा सबूत नहीं है।

‘हरियाणवी साहित्य’ केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि यहां के जनजीवन, इतिहास और दर्शन का दर्पण है। विडंबना यह है कि इतना समृद्ध होने के बावजूद हरियाणवी साहित्य को वह अकादमिक सम्मान और पहचान नहीं मिल पाई है, जिसका वह हकदार है। हरियाणवी साहित्य की जड़ें बहुत गहरी हैं, लेकिन आज भी इसे हिंदी की एक 'बोली' मात्र मानकर हाशिए पर रख दिया जाता है।

मंथन डॉ. चंद्र त्रिखा

हरियाणवी साहित्य' हरियाणा की उज्वल सांस्कृतिक एवं बौद्धिक परंपरा की नींव है। सरस्वती से पोषित हरियाणा की धरती साहित्यिक दृष्टि से बहुत उपजाऊ रही है। इसे वेद, पुराण, गीता, महाभारत आदि पवित्र ग्रंथों की रचना-स्थली होने का गौरव प्राप्त है। आधुनिक साहित्यिक परंपरा का आरंभ हर्षवर्धनकाल से माना जाता है। इस काल में अनेक ब्राह्मण ग्रंथ एवं वेदों के स्पष्टीकरण हेतु धर्मसूत्र, उपनिषद्, मनुस्मृति, महाभारत आदि की रचना की गई। इसके अतिरिक्त अनेक काव्य धाराएँ यथा जैन काव्यधारा, संत काव्यधारा, सूफी काव्यधारा, वैष्णव भक्ति काव्यधारा आदि प्रवाहित हुईं। विशाल 'हरियाणवी साहित्य' में जो साहित्य 'हरियाणवी' में लिखा गया, उसने हरियाणा की विशेष पहचान दी है। 'हरियाणवी साहित्य' केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि यहाँ के जनजीवन, इतिहास और दर्शन का दर्पण है। विडंबना यह है कि इतना समृद्ध होने के बावजूद, हरियाणवी साहित्य को वह अकादमिक सम्मान और पहचान नहीं मिल पाई है, जिसका वह हकदार है। हरियाणवी साहित्य की जड़ें बहुत गहरी हैं। नाथ-सिद्ध परंपरा से लेकर सूफी संतों की वाणियों तक और पंडित लखमीचंद के सांगों से लेकर आधुनिक कविता तक, इसका

विस्तार बहुत बड़ा है, लेकिन आज भी इसे हिंदी की एक 'बोली' मात्र मानकर हाशिए पर रख दिया जाता है। विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में हरियाणवी साहित्य का हिस्सा न के बराबर है। जो थोड़ा बहुत साहित्य उपलब्ध है, वह या तो मौखिक परंपरा में है या फिर पुरानी, जीर्ण-शीर्ण पांडुलिपियों में बंद है। 'श्रुति परंपरा' पर आधारित है साहित्य का बड़ा हिस्सा हरियाणवी साहित्य का एक बहुत बड़ा हिस्सा 'श्रुति परंपरा' पर आधारित है। हमारे बुजुर्गों के पास लोकगीतों, किस्सों, मुहावरों और कहानियों का खजाना है। जैसे-जैसे पुरानी पीढ़ी जा रही है, यह खजाना भी लुप्त होता जा रहा है। शोध के माध्यम से इन मौखिक रचनाओं को लिपिबद्ध करना अत्यंत आवश्यक है, अन्यथा आने वाली पीढ़ियों के लिए यह इतिहास हमेशा के लिए मिट जाएगा। हम पं. लखमीचंद, बाजे भगत या पं. मांगेराम जैसे बड़े रचनाकारों को तो जानते हैं, लेकिन हरियाणा के गाँवों में ऐसे सैकड़ों कवि और रचनाकार हुए हैं जिनकी

हरियाणवी साहित्य में शोध की नितांत आवश्यकता



रचनाएँ अद्वैत हैं, लेकिन उन्हें कोई नहीं जानता। इसलिए अब आवश्यक है कि गाँवों के खोक छानकर ऐसे गुप्तनाम रचनाकारों को खोजा जाए और उन्हें साहित्य के पल्ल पर स्थापित किया जाए। अतीत में इस दिशा में दिवंगत देवी शंकर प्रभाकर, शशाधुराम शारदा, प्रोफेसर लालचंद गुप्त मंगल रघुवीर मथाना,

प्रोफेसर बाबूराम, डॉ. रामफल चहल, डॉ. राजेंद्र वत्स द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में हरियाणवी साहित्य के विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया गया है। हरियाणवी भाषा एवं लिपि के क्षेत्र में डॉक्टर जगदेव सिंह द्वारा ठोस कार्य किया गया है। आवश्यकता है इस लान एव प्रतिबद्धता के साथ इस कार्य को आगे बढ़ाया जाए।

दुर्भाग्य हमारा, हम उनको ही भूल गए। देश की सीमाओं पर बलिदान शहीद के लिए लिखा उनका एक गीत बहुत मार्मिक बन चुका है। इस गीत से उन्हें मंचों पर विविध ख्याति भी मिली है : प्राण तन में नहीं आंखें पथराई हैं उसके बिना घर की खुशियाँ मुरझाई हैं, रोता रहता है उसका पिता डाँकिए उसकी आई क्या चिढ़ी बता डाँकिए। नए साल की शुभकामनाएँ देती कवयित्री कहती है— मानव धर्म सभी अपनाए जात-पात आड़े ना आए दिल में ज्ञान की जोत जलाएँ दुख के बादल सब छट जाएँ नए साल की भोर में। सविता गर्ग के मधुर कंठी गीतों की महक अनेक काव्य मंचों की शोभा बनती है। उनकी रचना धर्मिता में अपार संभावनाएँ भी हैं। आलोच्य काव्य संग्रह का प्रकाशन एवं प्रस्तुतिकरण दोनों ही उत्कृष्ट कोटि के हैं।

कविता मनोज वशिष्ठ

विश्व वीर विवेकानंद

उठा शिखर से घोष एक, जो सागर पर सुनया था, सोए भारत की अंतस को, जिसने आन जगाया था। गेरुआ वस्त्र, ललाट पे लेज, आँखों में करुणा की धार, वह संव्यासी नहीं मात्र, था भारत का ही अवतार।

शिकागो की उस समी बीच, जब गूँजा 'आता-मगिनी' स्वर, स्तब्ध रह गया विश्व सकल, झुक गया गर्व से मस्तक पर। वेदांत की पावन वाणी से, जग का संशय दूर किया, पश्चिम की भौतिक चक्राचौध में, अध्यात्म का नूर दिया।

कहा उन्होंने— उठो! जागो! मत रुको राह के रोड़ों से, मजिल तुमको ही चुननी है, संघर्षों के इन घोड़ों से। शक्ति ही जीवन का सच है, कमजोरी बस एक न्यूल है, वीर वही जो अडिग खड़ा, चाहे सम्मुख काल-नूर्य है।

रमनूज-निर्माण ही लक्ष्य रहे, वह शिक्षा असली कहलाती, जो दीन-दुखी के आँसु पीछे, वह अकित सच्यो कहलाती। लोहे की हाँ मांसपेशियों, फौलादी जिंका सीमा हो, विवेकानंद के सपनों का, भारत ऐसा नगीना हो।

रेवाड़ी की पावन माटी से, हम यह संकल्प दोहराते हैं, 'विजन 2026' के पथ पर, हम बढ़ते ही जाते हैं। हाथों में दिज्ञान रहे, और मन में सचिंत संस्कार रहें, हम विवेकानंद के अनुयायी, राष्ट्र-प्रेम के आधार रहें।

तद्युक्त्या डॉ. तबस्सुम जहां

आत्मा का अंश

शिष्य: गुरुजी, आत्मा क्या है? गुरुजी: वत्स, आत्मा एक ऊर्जा है, जो किरकाल से ब्रह्मांड में विचरण करती है— जैसे असंख्य तारे, बंध और धूमकेतु। शिष्य: और गुरुजी, आत्मिक जुड़ाव क्या होता है? गुरुजी: जब हमारी आत्मा का कोई अंश एक जन्म से दूसरे जन्म तक किसी को पाने को व्याकुल हो उठता है, जब किसी अनजाने से बिना मिले ही गहरा जुड़ाव महसूस होता है— तब समझना चाहिए कि आत्मा का वह अंश अपने दूसरे हिस्से से मिलने को आसुर है। वह भिन्नकर पूर्णता की ओर बढ़ना चाहता है। शिष्य: परंतु गुरुदेव, आत्मा के वे दो हिस्से, दो व्यक्ति, कैसे मिलेंगे? गुरुजी: वत्स, नियति चाहे जितनी राहें मोड़े, आत्माएँ अपने हिस्सों को ढूँढ ही लेती हैं। जो होना है, वह होकर ही रहता है। शिष्य: क्या यह जरूरी है कि दोनों में प्रेम भी हो? जबकि मिलने से पहले उनके जीवन के मार्ग अलग-अलग ही चुके हैं? गुरुजी: यही तो नियति की लीला है वत्स। आत्मा जिसे चुनती है, उससे वह प्रेम मांगती नहीं, बस देती है। यह प्रेम देह या मन का नहीं होता, यह निस्वार्थ होता है। आत्मा न किसी शर्त को जानती है, न किसी बंधन को जानती है। शिष्य: और यदि दूसरा व्यक्ति उस प्रेम को न समझे? गुरुजी: समझना वत्स... समय आने पर अवश्य समझेगा। प्रारंभ में वह अमित करेगा, दूर भागेगा, कड़वे वचन कहेगा, किरस्कार करेगा। किंतु जब सब शांत होगा, वह अपने भीतर झाँकेगा— तब उसे यह ज्ञात होगा कि जिस प्रेम को वह ठुकरा रहा था, वह कोई साधारण आकर्षण नहीं था... वह उसकी ही आत्मा का एक विलग अंश था। शिष्य: तब क्या होगा गुरुदेव? गुरुजी (मुस्कुराते हुए): तब... वह मौन में प्रार्थना करेगा कि वह प्रेम फिर लौट आए। पर तब तक वह प्रेम किसी दूसरे उँचाई पर पहुँच चुका होगा। जहाँ से लौटना संभव नहीं होगा। क्योंकि आत्मा का वह अंश अपना कर्तव्य पूरा कर चुका होगा— निःस्वार्थ प्रेम देकर... किसी अपेक्षा के बिना।

अध्यात्म एवं यथार्थ का संगम है 'जब तक तुम ना आओगे'

पुस्तक समीक्षा डॉ. विजेंद्र कुमार

कवयित्री सविता गर्ग से मेरा परिचय काफी पुराना है। उसने अपनी पहली काव्य कृति 'मैं मीरा सी' मुझे भेंट की थी। जब तक तुम ना आओगे उनका चौथा काव्य संग्रह है। इस काव्य संग्रह में उनकी 97 कविताएँ संकलित हैं। इन कविताओं में कवयित्री का मन प्रेम, भक्ति, देश प्रेम, अध्यात्म, विरह तथा समकालीन यथार्थ के विभिन्न आयामों की यात्रा करता प्रतीत होता है। यह सभी कविताएँ उनकी रचनाशीलता के बहुआयामी व स्यापित दृष्टिकोण को रेखांकित करती हैं। श्री कृष्ण को समर्पित कुछ कविताएँ उनकी आध्यात्मिक चेतना के उज्वल स्वरूप को

पुस्तक: जब तक तुम ना आओगे लेखिका: सविता गर्ग मूल्य: 210 रुपये प्रकाशक: अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

आलोकित करती हैं। कवयित्री ने यह संग्रह भगवान श्री कृष्ण को ही समर्पित किया है। सविता अपनी अनुभूति को व्यक्तिगत परिधि से निकालकर सार्वभौमिक करने में सफल रही हैं। नारी पीड़ा को वेदना उनकी इन कविताओं में दृष्ट्य है— सिया सती राधा रुक्मण सारे रूपों से गुजरी हूँ मोहन की जोगन बन घूमि में मीरा वही दीवानी हूँ। इसी प्रकार मैं सदियों पुरानी हो गई हूँ कविता में वह कहती हैं : परियों की कहानी हो गई हूँ, शिलाओं पर लिखी निशानी हो गई हूँ। 'जीवन उत्सव है' कविता का संदेश अनुकरणीय है, मानवता हो धर्म सभी का, सब उस रब के बंदे नक भाव हो नक हो नीयत नक हो सब धंधे निर्बल का बल बन जाए जीवन उत्सव है। शहीदों को समर्पित कविता में वह कहती हैं— भारत मां के वीर सिपाही हंस फ्रांसी पर झूल गए, हाय

दुर्भाग्य हमारा, हम उनको ही भूल गए। देश की सीमाओं पर बलिदान शहीद के लिए लिखा उनका एक गीत बहुत मार्मिक बन चुका है। इस गीत से उन्हें मंचों पर विविध ख्याति भी मिली है : प्राण तन में नहीं आंखें पथराई हैं उसके बिना घर की खुशियाँ मुरझाई हैं, रोता रहता है उसका पिता डाँकिए उसकी आई क्या चिढ़ी बता डाँकिए। नए साल की शुभकामनाएँ देती कवयित्री कहती है— मानव धर्म सभी अपनाए जात-पात आड़े ना आए दिल में ज्ञान की जोत जलाएँ दुख के बादल सब छट जाएँ नए साल की भोर में। सविता गर्ग के मधुर कंठी गीतों की महक अनेक काव्य मंचों की शोभा बनती है। उनकी रचना धर्मिता में अपार संभावनाएँ भी हैं। आलोच्य काव्य संग्रह का प्रकाशन एवं प्रस्तुतिकरण दोनों ही उत्कृष्ट कोटि के हैं।

खबर संक्षेप



विकास कार्यों को लेकर पाषण्डों संग मंथन किया
बवानीखेड़ा। नगर पालिका चेरमैन सुंदर अत्री ने करुबे के वार्ड नंबर 1 से 16 तक दौरा कर आगामी विकास कार्यों एवं स्थानीय आवश्यकताओं को लेकर संबंधित पाषण्डों एवं वार्डवासियों के साथ मंथन किया। इस दौरान सड़क, पेयजल, सफाई, स्ट्रीट लाइट सहित विभिन्न जनसमस्याओं पर चर्चा की। नपा चेरमैन अत्री ने बताया कि करुबे के रामबाग, गलियों, पानी की निकासी व्यवस्था तथा प्रमुख पार्क में मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए जल्द ही विकास कार्य शुरू किए जाएंगे।

पूर्व सैनिकों ने विधायक को किया सम्मानित

चरखी दादरी। पूर्व सैनिक स्वाभिमान संस्था बौदकलां ब्लाक ने रविवार को बौदकलां में आयोजित कार्यक्रम में विधायक सुनील सांगवान को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस दौरान विधायक ने पूर्व सैनिकों की समस्याओं को जाना और उनके द्वारा बौदकलां में सीएसडी कैंटीन खुलवाने की डिमांड पर जल्द ही केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ से मिलकर समाधान करवाने का आश्वासन दिया। विधायक सुनील सांगवान ने शहीद समारक व कार्यालय परिसर का अवलोकन किया।

प्रो रेसलिंग लीग में सुजीत दिखाएगा दम

चरखी दादरी। अपने खेल व कौशल के जरिए क्षेत्र व जिले के नाम को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक रोशन करने वाले गांव इमलोटा के युवा पहलवान सुजीत कलकल अब जल्द ही देश की प्रसिद्ध स्पर्धा प्रो रेसलिंग लीग में अपना जलवा बिखेरेंगे। जिला कुश्ती संघ के सचिव योगेश इमलोटा ने बताया कि आगामी 15 जनवरी से यह प्रतियोगिता नोएडा में खेली जाएगी। इस बड़ी स्पर्धा में सुजीत दिल्ली दंगल वारियस की तरफ से अपना खेल दिखाएंगे। हाल ही में आयोजकों द्वारा पूरी लीग के सबसे महंगे खिलाड़ी के रूप में सुजीत को खरीदा गया, उसे देखकर पूरा जिला यहीं उमोदित कर रहा है कि वो इस लीग में भी अपने भारवर्ग के अनुसार विजेता बनकर उभरेगा व युवा पहलवान उससे प्रेरणा लेंगे।

पूजा का राष्ट्रीय हेंडबॉल टीम में चयन

भिवानी। भिवानी जिले के गांव खरक की प्रतिभावान खिलाड़ी पूजा का चयन 69वें स्कूल नेशनल गेम्स के लिए हरियाणा की अंडर-14 बालिका हेंडबॉल टीम में हुआ है। पूजा की उपलब्धि से न केवल उनके गांव, बल्कि पूरे जिले के खेल प्रेमियों में हर्ष का माहौल है। हेंडबॉल कोच विवेक खरकिया ने बताया कि स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 69वें स्कूल नेशनल गेम्स राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में 5 से 10 जनवरी तक आयोजित किए जाएंगे। प्रतियोगिता में देशभर की सर्वश्रेष्ठ टीमें हिस्सा लेंगी, जहां पूजा हरियाणा का प्रतिनिधित्व करेंगी। पूजा का चयन हाल ही में हिसार जिले के लाडवा गांव में आयोजित विश्व प्रशिक्षण कैंप में हुआ। कैंप में प्रदेशभर से आई सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बारीकी से परखा।

नेशनल टेनिस चैम्पियनशिप में यौरव ने जीता गोल्ड मेडल

सब-जूनियर नेशनल टेनिस चैम्पियनशिप में नाथुवास के यौरव का शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज भिवानी। मिनी क्यूबा उप खेल नगरी के नाम एक और सुनहरा तमगा जुड़ गया है। हाल ही में भुवनेश्वर में संपन्न हुई 19वां सब-जूनियर नेशनल टेनिस चैम्पियनशिप में भिवानी के गांव नाथुवास के युवा खिलाड़ी यौरव सहरावत ने शानदार प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक हासिल किया।

टेनिस प्रतियोगिता 27 से 31 दिसंबर तक भुवनेश्वर ओडिशा में हुई, जिसमें यौरव ने शानदार खेल प्रदर्शन किया। इस जीत से न केवल उनके गांव में, बल्कि पूरी खेल नगरी में खुशी है। यौरव की उपलब्धि पर उनके कोच विकास ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि यौरव शुरू से ही खेल के प्रति समर्पित रहे हैं। कोच विकास ने कहा कि यौरव बेहद होनहार और प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। उसने कड़ी मेहनत और अनुशासन के

स्ट्रीट डॉग्स को शेल्टर होम में भेजने के फैसले का विरोध सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ सड़कों पर उतरे गोरक्षक, रोष प्रदर्शन किया



रोहताक गेट क्षेत्र में रोष प्रदर्शन करते गोरक्षक

देशभर में ऐसे शेल्टर होम नहीं, जहां लाखों की संख्या में कुत्तों को रखा जा सके : संजय सुप्रीम कोर्ट के व्यावहारिक आदेशों से बेजुबानों के जीवन पर खड़ा होगा संकट: परमार

नेतृत्व गौरक्षा दल के प्रधान संजय परमार ने किया। प्रदर्शनकारियों का तर्क है कि ये आदेश व्यावहारिक नहीं, इससे बेजुबान जानवरों के जीवन पर संकट खड़ा हो जाएगा। गोरक्षकों ने केंद्र और राज्य सरकार से मांग की कि फैसले पर पुनर्विचार किया जाए और इसे वापस लिया जाए। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए गौरक्षा दल के प्रधान संजय परमार ने बुनियादी सुविधाओं के अभाव का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने आदेश तो दे दिया कि स्ट्रीट डॉग्स को रोहताक शेल्टर में रखा जाए, लेकिन कड़वी सच्चाई ये है कि देशभर में अभी ऐसे शेल्टर होम ही नहीं हैं, जहां लाखों की संख्या में इन कुत्तों को रखा जा सके।

मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की अपील

परमार ने कहा कि बिना पर्याप्त व्यवस्था, भोजन और देखरेख के इन कुत्तों को बंद करना उनके प्रति क्रूरता होगी। वहां उनका ध्यान रखने वाला कोई नहीं होगा, जिससे उनकी मौत निश्चित है। वर्तमान में नगर परिषदों और पालिकाओं के पास आकर कुत्तों के लिए कोई व्यवस्थित बुनियादी ढांचा नहीं है। यही नहीं यदि किसी जगह पर कुत्तों को एक साथ बंद कर दिया गया तो उनके बीच आपसी संघर्ष और बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ जाएगा। गौरक्षा दल ने स्पष्ट किया है कि उक्त फैसले पर रोक नहीं लगाई या वैकल्पिक व्यवस्था पर विचार नहीं किया तो वे अपने आंदोलन को और तेज करेंगे। प्रदर्शन के अंत में गोरक्षकों ने प्रशासन के माध्यम से मांगपत्र भी भेजा, जिसमें पशु कल्याण की दिशा में अधिक मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की अपील की गई। विरोध प्रदर्शन में गोरक्षक अमन पांडे, कुकी परमार, गोलू हेमंत सोनी, आकाश भाटी, शुभम गहल, भगतसिंह गुपु से मौजूद चौधरी व शिवा कोटा सहित अनेक गोरक्षक मौजूद रहे।

स्क्रब फैक्ट्री में आगजनी के मामले में बुवानीवाला ने घटनास्थल का किया दौरा पीड़ित उद्योगपति को आर्थिक सहायता देने की मांग

हरिभूमि न्यूज भिवानी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा सार्वजनिक स्थानों से आवाजा कुत्तों (स्ट्रीट डॉग्स) को हटाकर शेल्टर होम में भेजने के हालिया आदेशों के खिलाफ भिवानी में विरोध के स्वर मुखर हो गए हैं। रविवार को गौरक्षा दल के बैनर तले बड़ी संख्या में गोरक्षक रोहताक गेट पर एकत्रित हुए और फैसले के विरोध में जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन का

नववर्ष की पूर्व संख्या पर औद्योगिक क्षेत्र में प्लास्टिक के स्क्रब बनाने वाली फैक्ट्री में हुई भीषण आगजनी की घटना ने फैक्ट्री को पूरी तरह जलाकर राख कर दिया और उद्यमी के वर्षों की मेहनत, पूंजी और कार्ययंत श्रमिकों के रोजगार पर भी गंभीर संकट खड़ा कर दिया, ये बात कांग्रेस उद्योग सैल के चेरमैन अशोक बुवानीवाला ने औद्योगिक क्षेत्र का दौरा कर आगजनी से पूरी तरह नष्ट हुई फैक्ट्री का निरीक्षण कर पीड़ित फैक्ट्री मालिक से मुलाकात के दौरान कही। उन्होंने घटना पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए पीड़ित उद्योगपति को ढाढस बंधाया और भरोसा दिलाया कि कठिन समय में वो उनके साथ मजबूती से खड़े हैं। बुवानीवाला ने फैक्ट्री परिसर में

घटना को गंभीरता से लें बुवानीवाला ने कहा कि आगजनी की घटना में फैक्ट्री मालिक को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है। मशीनों, कच्चा माल, तैयार माल और भवन सबकुछ नष्ट हो चुका है, ऐसे में केवल बीमा के भरोसे उद्योगपति को छोड़ देना न्यायसंगत नहीं है। उन्होंने सरकार से मांग की कि वह इस घटना को गंभीरता से लेते हुए विशेष राहत पैकेज घोषित करें और पीड़ित उद्योग को उचित धन शोध मुआवजा प्रदान करें।

सरकार और संबंधित विभागों के समक्ष पूरी मजबूती से उठायी जाएगी, ताकि पीड़ित को जल्द से जल्द उचित मुआवजा मिल सके और फैक्ट्री को पुनः स्थापित करने में सभी जरूरी सहायता उपलब्ध करवाई जा सके।

गांव तालु में शिविर में 125 मरीजों का स्वास्थ्य जांचा

भिवानी। सनफलेग मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल ने रविवार को तालु गांव के सहयोग से गांव में स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया। शिविर में विशेषज्ञों की टीम ने ग्रामीणों के स्वास्थ्य की बारीकी से जांच की और उन्हें आवश्यक परामर्श व दवाइयां प्रदान की। शिविर के संयोजक जसवंत तालु के देखरेख में कैम्प में अस्पताल के अनुभवी चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दीं। शिविर में डॉ. उमाकांत, डॉ. साक्षी मल्होत्रा, डॉ. गौरव के अलावा स्टाफ सदस्य पुनम, शशि, कृष्ण, दिनेश व सोमबीर सहित पैरामेडिकल स्टाफ ने सर्जरी, मेडिसिन, गायनी और आंथो से संबंधित 125 मरीजों की जांच की। शिविर के दौरान मरीजों के ब्लड शुगर, बीपी और अन्य आवश्यक रक्त जांचें निःशुल्क की गईं तथा जरूरतमंदों को दवाइयां भी मुफ्त वितरित कीं। हॉस्पिटल के प्रशासक डॉ. राजकुमार तंवर व डॉ. दिनेश सनसनवाल ने कहा कि अस्पताल का लक्ष्य केवल शहर तक सीमित रहना नहीं है।

सांसद दीपेंद्र हुड्डा के जन्मदिन पर मनाया कांग्रेसियों ने जन्म, दीर्घायु की कामना

जिलाध्यक्ष गुलिया के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने केक काटा

हरियाणा का युवा सांसद दीपेंद्र हुड्डा में देखा है प्रदेश का स्वर्णिम भविष्य : जोगी

हरिभूमि न्यूज भिवानी। रोहताक से सांसद एवं कांग्रेस के दिग्गज नेता दीपेंद्र सिंह हुड्डा का जन्मदिन बड़े ही उत्साह और हार्शोल्लास के साथ मनाया। इस दौरान दिल्ली निवास पर सांसद दीपेंद्र हुड्डा के निवास पर केक खिलाकर उनका जन्मदिन मनाया। कांग्रेस शहरी जिला अध्यक्ष प्रदीप जोगी गुलिया के नेतृत्व में भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एकत्रित हुए और केक काटकर जनप्रिय नेता की लंबी उम्र की कामना की। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने दीपेंद्र हुड्डा जिंदाबाद के नारों के साथ आसमान गुंजायमान कर दिया।



भिवानी। सांसद दीपेंद्र हुड्डा को बधाई देते कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रदीप गुलिया जोगी।

प्रदेश की बुलंद आवाज हैं दीपेंद्र हुड्डा

उन्होंने कहा कि दीपेंद्र हुड्डा न केवल एक सांसद हैं, बल्कि हरियाणा के युवाओं की उम्मीद और प्रदेश की बुलंद आवाज हैं। सांसद दीपेंद्र हुड्डा की कार्यप्रणाली सादगी, संजीवनी और समर्पण का मेल है। संसद से लेकर सड़क तक उन्होंने हमेशा आम आदमी, किसान और युवाओं के हितों की लड़ाई लड़ी है। हरियाणा का युवा दीपेंद्र हुड्डा में अपना भविष्य देख रहा है।

सांसद दीपेंद्र हुड्डा और भूपेंद्र सिंह हुड्डा के हाथ मजबूत करने के लिए जन-जन तक कांग्रेस की नीतियों को पहुंचाएंगे।

कैबिनेट मंत्री के आवास पर 17-18 को होगा महापड़ाव भवन निर्माण कामगार यूनियन की बैठक

हरिभूमि न्यूज बाढ़ड़ा। प्रदेश सरकार फर्जीवाड़े की आड में मजदूरों का हक छिन्ने का काम कर रही है, ये किसी भी सुरत में बर्दाश्त नहीं होगा। मजदूरों को उनका हक मिलना चाहिए, जिसको लेकर महापड़ाव या आंदोलन होगा, ये बात भवन निर्माण कामगार यूनियन सीटू नेता सुमेर सिंह व रोशनलाल धारणी ने गांव गोपी व जीतपुरा सहित दर्जनभर गांवों में निर्माण मजदूरों की बैठक को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि 17 व 18 जनवरी को भिवानी में कैबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी के आवास पर हजारों निर्माण मजदूरों का विशाल महापड़ाव होगा और मजदूर एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद करेंगे।

श्रममंत्री अनिल विज का ये बयान कि 90 दिनों की वेरिफिकेशन में फर्जीवाड़ा हुआ, सरासरी झूठ और मजदूरों के साथ क्रूर मजाक है, यह अज्ञानता नहीं, बल्कि मजदूरों को कुचलने की सुनियोजित साजिश है। भाजपा सरकार ने राजनीतिक लाभ के लिए कैम्प लगाकर लाखों मजदूरों का पंजीकरण किया।

राष्ट्रपति व उनकी पत्नी को घर से उताने की घटना निंदनीय: ओमप्रकाश वेनेजुएला पर हमले के विरोध में ट्रंप का फूँका पुतला

हरिभूमि न्यूज भिवानी। माक्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की जिला कमेटी ने वेनेजुएला पर अमेरिकी हमला करने एवं वहां के राष्ट्रपति एवं उनकी पत्नी को जबरदस्ती उठाकर ले जाने की कड़े शब्दों में निंदा की और शांति प्रिय देशों एवं संयुक्त राष्ट्र संघ से उन्हें तुरंत प्रभाव से रिहा करने की मांग की। माकपा नेताओं ने कहा कि वेनेजुएला एक स्वतंत्र एवं संप्रभु देश है और अमेरिकी सेना द्वारा उसपर एक तरफ हमला करने व वहां की स्वतंत्र जनता द्वारा चुने हुए राष्ट्रपति निकोलस मादुरो व उसकी पत्नी को शनिवार रात को उनके बैडरूम से अमेरिकी सैनिकों द्वारा जबरदस्ती घसीटकर उतारने की घटना अशोभनीय एवं निंदनीय है। रविवार को



भिवानी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पुतला फूँकते माकपा नेता एवं कार्यकर्ता।

माकपा ने भिवानी में रोष प्रदर्शन कर विरोध स्वरूप अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पुतला फूँका। माकपा के जिला कमेटी सचिव कामरेड ओमप्रकाश व जिला सचिव मंडल सदस्य कामरेड अनिल ने कहा कि पार्टी ने सभी शांति प्रिय देशों व संयुक्त राष्ट्र संघ से

विरोध प्रदर्शन में ये रहे शामिल : कार्यक्रम में पार्टी सचिव मंडल सदस्य कामरेड अनिल कुमार, जिला कमेटी सदस्य रामफल देशवाल, संतोष देशवाल, पार्टी एरिया कमेटी सदस्य सज्जन कुमार सिंगला, चन्द्रमान वाहलिया, अरविंद मारड्राज, नरेश शर्मा, अभिषेक शर्मा, अनुराग, महेन्द्र तंवर, रामचन्द्र सैनी, भीमसिंह नवा, महावीर फौजी, प्रतापसिंह सिंहमार, ओमप्रकाश दलाल, शकुंतला, ममता, रामचन्द्र मैनजर, अनिल पालुवास, आदि शामिल रहे।

अपील की है कि तुरंत अमेरिका द्वारा वेनेजुएला पर हमला बंद करवाए तथा वेनेजुएला के राष्ट्रपति व उनकी पत्नी को तुरंत रिहा करवाया जाए। विरोध प्रदर्शन की अध्यक्षता पार्टी जिला कमेटी सदस्य संतोष देशवाल ने की।

सूचना

में, लीलाराम पुत्र स्वामी श्री हरिराम, गांव विगोपुर, पोस्ट धौलेड़ा, तहसील नांगल चौधरी, नारनौल जिला महेंद्रगढ़ (हरियाणा) बयान करता हूँ कि मेरा पुत्र रविन्द्र कुमार व उसकी पत्नी काजल मेरे कुमन से बाहर है। मैं अपने पुत्र रविन्द्र कुमार व पुत्रवधु काजल को अपनी तामाम चल व अचल संपत्ति से वेदखल करता हूँ। भविष्य में इनसे लेन-देन करने वाला स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरी वा मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

विडंबना: अप्रूड अनअप्रूड के बीच झूल रही चिंकारा रेस्ट हाउस कॉलोनी

खास बातें

- सुविधाओं का टोटा, रेवाड़ी रोड पर बनी चिंकारा रेस्ट हाउस के साथ वाली कॉलोनी में बिजली पानी नहीं दे रहे विभाग
- नप ने डाल दी सीवर लाइन, अब सड़क बनाने की तैयारी

हरिभूमि न्यूज़ | नारनौल

शहर के रेवाड़ी रोड पर बने मोहल्ला कैलाश नगर में चिंकारा रेस्ट हाउस की समीप बसी कॉलोनी प्रशासनिक अधिकारियों की मनमानी के कारण विचित्र विडंबना की शिकार हो रही है। एकतरफ जहां पब्लिक हेल्थ एवं बिजली निगम इस कॉलोनी को अवैध बताकर यहां बिजली-पानी कनेक्शन के लिए लाइन देने को तैयार नहीं है, वहीं नगर परिषद उसी कॉलोनी में सीवर लाइन डाल चुकी है और अब पक्की सीसी सड़क बनाने को तैयार है। इससे यहां रहने वाले लोगों को भी

अजीब कसमकस से गुजरना पड़ रहा है। गौर हो कि रेवाड़ी रोड पर वन विभाग का चिंकारा रेस्ट हाउस बना हुआ है। इस रेस्ट हाउस के आसपास 100 से भी ज्यादा घरों की कॉलोनी बसी हुई है, लेकिन कमाल की बात है कि मुख्य सड़क मार्ग के साथ-साथ बसी कॉलोनी के लोगों ने पानी की मुख्य लाइन से नल कनेक्शन ले रखे हैं और बिजली के पोल एवं लाइन भी खड़ी हुई है, लेकिन जैसे ही इस कॉलोनी में ही थोड़ा आगे सुबेदार बलबीर सिंह यादव के मकान की तरफ बढ़ते हैं तो वहां से आगे का रास्ता न केवल कच्चा है, बल्कि इससे आगे बने करीब 60-70 मकान की बस्ती में न बिजली है और न पानी की सुविधा है। यहां के लोग भी पुराने समय से रहे हैं। ठेकेदार सुरेंद्र सैनी एवं उनके चाचा किशोरीलाल सैनी का परिवार यहां पांच दशक से भी ज्यादा समय से रह रहा है, लेकिन सुविधाओं के नाम पर यहां रहने वाले लोगों को अब तक कुछ नहीं मिल पाया है। यहां के रास्ते न केवल कच्चे हैं, बल्कि बिजली एवं पानी जैसी मूलभूत सुविधा तक उपलब्ध नहीं है।



नारनौल। सड़क बनाने के लिए जैसीबी से साफ किया गया रास्ता।

फोटो: हरिभूमि

अब पक्की सड़क की तैयारी

कमाल की बात यह है कि नगर परिषद इसी अवैध कॉलोनी में अब पक्की सड़क बनाने की तैयार है। नगर परिषद यहां के करीब 2 फुट चौड़े रास्ते को सीसी सीमेंट वाली सड़क बनाकर पक्का करेगी। इस 25 फुट चौड़े मुख्य मार्ग ही नहीं, कुछ गलियों को भी पक्का किया जाएगा।

नगर परिषद ने डाल रखी सीवर लाइन

यहां गौर करने वाली बात यह है कि एकतरफ जहां पब्लिक हेल्थ एवं बिजली निगम इस कॉलोनी को अवैध बताकर बिजली पानी देने से पल्ला झाड़ रहे हैं, वहीं अप्रूड-अन अप्रूड की मान्यता देने वाली खुद नगर परिषद ने यहां सभी गलियों में सीवर की बड़ी लाइन डाल रखी है। सीवर लाइन डाले करीब पांच साल हो गए तथा नगर परिषद अधिकारियों के खिलाफ अन अप्रूड की एवज में कोई केंस दर्ज नहीं किया हुआ है।

वर्षों से झूल रहे दिक्कत

यहां रह रहे रामोतार सैनी, कैलाश चंद सैनी, सुभाष चंद, अनौला, पूजा, मास्टर सतबीर सिंह यादव एवं डा. मोजू शर्मा आदि ने बताया कि वह यहां पर पक्के मकान बनाकर वर्षों से रहे हैं तथा बिजली एवं पानी की समस्या हल करने के लिए अधिकारियों से भी मिले हैं। उन्होंने बताया जनस्वास्थ्य विभाग एवं बिजली निगम अधिकारियों को ज्ञापन भी दिए गए, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई। उन्होंने बताया कि इन दोनों विभागों के अधिकारियों से मिले, तब उनका कहना था कि यह कॉलोनी अन-अप्रूड है। इस कारण यहां लाइन नहीं दे सकते। यदि लाइन देगे तो हमारे ही खिलाफ केस दर्ज हो जाएगा, ऐसा सरकार ने नियम बना रखा है। पहले नगर परिषद से कॉलोनी अप्रूड कराओ। ऐसे में हम की स्थिति बनी हुई है कि इस कॉलोनी में पक्की सड़क एवं सीवर देने वाली नगर परिषद को रूकी माने या फिर पब्लिक हेल्थ एवं बिजली निगम को।

बिजली-पानी की सुविधा नहीं

ऐसे में सवाल उठ रहा है कि नगर परिषद सही है या फिर बिजली निगम व पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट। क्योंकि नगर परिषद सीवर एवं सड़क जैसी सुविधाओं पर यहां लाखों रुपये खर्च कर रही है, वहीं उक्त दोनों विभाग अपनी मूलभूत सुविधाएं तक देने का तैयार नहीं। ऐसे में सही एवं गलत को लेकर लोग उलझन में उलझे हुए हैं। इन हालातों में जिला के प्रशासनिक अधिकारियों को आगे आकर इन लोगों को भी बिजली पानी उपलब्ध कराने की जरूरत है, ताकि इनकी मनमानी रूक सके और सरकार का हर बसती हर व्यक्ति तक मूलभूत सुविधा पहुंचाने का सपना साकार हो सके।



खबर संक्षेप



नारनौल। सलामपुरा में बोलेरो के पास खड़ी पुलिस गाड़ी।

ब्लैक फिल्म लगी बोलेरो गाड़ी इंपाउंड
नारनौल। पुलिस की ओर से यातायात नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत डायल 112 टीम ने थाना शहर क्षेत्र में गश्त के दौरान एक ब्लैक फिल्म लगी बोलेरो गाड़ी को इंपाउंड किया। पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि गश्त के दौरान टीम को नजर गाड़ी पर पड़ी। जिसके शीशों पर ब्लैक फिल्म लगी हुई थी। पुलिस ने चालक को रूकने का इशारा किया, लेकिन चालक ने गाड़ी रोकने के बजाय उसकी रफ्तार बढ़ा दी और वहां से भगा ले गया। डायल 112 के कर्मियों ने तुरंत तत्परता दिखाते हुए गाड़ी का पीछा किया और मोहल्ला सलामपुरा में कुछ ही दूरी पर उसे सफलतापूर्वक काबू कर लिया। पुलिस गाड़ी व चालक को पकड़कर थाना शहर ले आई। थाना में गाड़ी की गहनता से तलाशी ली गई, लेकिन जांच के दौरान गाड़ी से कोई नशीला या आपत्तिजनक पदार्थ बरामद नहीं हुआ। चूँकि गाड़ी पर काली फिल्म लगी थी और चालक ने पुलिस के रोकने पर भागने का प्रयास किया था, इसलिए पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत गाड़ी को इंपाउंड कर दिया।

एक शाम सतनामियों के नाम में हुआ काव्य पाठ व व्याख्यान

सतनामियों के वंशजों ने नारनौल पहुंचकर किया मातृभूमि को नमन

भक्ति, आस्था और सामाजिकता के रस से सराबार हुए नारनौल के शासकों के वंशज

हरिभूमि न्यूज़ | नारनौल

15वीं सदी में कभी नारनौल के शासक रहे औरंगजेब को नाकों चने चबवाने वाले वीर सतनामियों के वंशजों ने नारनौल पहुंचकर न केवल अपनी मातृभूमि को नमन किया, बल्कि अपने पूर्वजों को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि भी अर्पित की।

इस अवसर पर जय सतनाम के उद्घोष के साथ धाम में हवन, भंडारा व सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा व एडवोकेट गोविंद शर्मा ने बताया कि सतनामी वंशजों के सैकड़ों लोग प्रत्येक वर्ष पौष माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा व माघ माह की प्रतिपदा को समीपवर्ती गांव थाना पहुंचकर अपने कुल गुरु बाबा वीरभान की जयंती मनाते हैं। इसी परंपरा के तहत इस वर्ष भी समाज के लोगों ने ऐतिहासिक



नारनौल। कार्यक्रम में सतनामियों को सम्मानित करते हुए।

फोटो: हरिभूमि

सांस्कृतिक कलाकारों ने बांधा समा

कभी नारनौल के शासक व शान रहे सतनामियों के समानम में शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही। छत्तीसगढ़ के संबलपुर बालोदे से पहुंचे प्रसिद्ध लोक कलाकार पंडित भरतेश जोशी व उनके पिता राज महंत खुमान दास जोशी और उनकी टीम ने उत्कृष्ट सांस्कृतिक गीत, मजन प्रस्तुति के माध्यम से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सनानाम आरती विशेष आकर्षण का केंद्र रही।

यदव धर्मशाला में लोक संगीत कार्यक्रम और क्षेत्र की सामाजिक संस्थाओं का सम्मान समारोह व पारिवारिक मिलन समारोह का आयोजन किया।

संस्था के सदस्य संतोष भारती सतनामी व विद्याधर गावस्कर ने बताया कि सतनाम धर्म संस्था से जुड़े 200 से अधिक महिला पुरुषों ने पहुंचकर अपने पूर्वजों की भूमि

को नमन किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष जगजीवन खरे सतनामी, रूपकिशन साध सतनामी, राज महंत अनूप, राजेन्द्र सरपंच सतनाम, पृथ्वी सिंह बिजनौर, महंत खुमान दास जोशी, पंडित भारतेश जोशी, श्यामदास महंत, चेतन भंडारी, रेवा दास टंडन के साथ बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा,

ये हैं सतनामी

डॉ. जगजीवन खरे ने बताया कि सतनामी समुदाय भारत का एक हिंदू उपसंदाय है। कबीर की शिक्षाओं से प्रेरित होकर 1657 में छत्तीसगढ़ के नारायणपुर क्षेत्र में इसका संगठित स्वरूप सामने आया। हरियाणा के नारनौल में सतनामी विद्रोह की शुरूआत एक सतनामी व मुगल सैनिक अधिकारी के बीच विवाद को लेकर हुई। यह विवाद धीरे धीरे इतना बढ़ा कि सतनामियों ने मुगल सैनिकों को पराजित कर दिया। इतिहासकारों के अनुसार इस विद्रोह के दौरान लगभग 10 हजार सतनामियों ने मुगल सेना का सामना किया। यह संघर्ष भारत के इतिहास में नारनौल की विशेष पहचान दिलाने वाला माना जाता है। सतनामी समाज सत्य, समानता, सेवा व सामाजिक न्याय के मूल्यों में विश्वास रखता है और आज भी देशभर में सामाजिक व धार्मिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

मध्यप्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली व देश के अलग अलग हिस्सों से सतनामी समाज के लोग पहुंचे।

शैक्षिक संस्थानों में गतिविधियां



महेंद्रगढ़। सम्मेलन में उपस्थित अभिभावक।

फोटो: हरिभूमि

राव सुल्तान स्कूल में पीटीएम आयोजित

हरिभूमि न्यूज़ | महेंद्रगढ़

बदलाव प्रकृति का नियम है। आज के समय में वहीं बच्चा सफल होता है, जिसके माता-पिता जागरूक होंगे। उन्होंने बताया कि आज के बच्चे किताबों से दूरी और मोबाइल से नजदीकी बढ़ाते जा रहे हैं। मेरा सभी अभिभावकों से आग्रह है कि वह यदि बच्चे का उज्वल भविष्य चाहते हैं तो उन्हें मोबाइल से दूर रखें।

राव सुल्तान सिंह स्कूल निम्बहेड़ा में अभिभावक-अध्यापक मिलन समारोह आयोजित किया। संस्था निदेशक एडवोकेट सतपाल यादव, प्राचार्य राजकुमार शर्मा व प्राचार्य रामकुमार ने सभी अभिभावकों का स्वागत किया। एडवोकेट सतपाल यादव ने बताया कि समय के साथ



महेंद्रगढ़। विद्यार्थी को सम्मानित करते हुए।

फोटो: हरिभूमि

बीजेआरडी स्कूल में अध्यापक अभिभावक सम्मेलन आयोजित

हरिभूमि न्यूज़ | महेंद्रगढ़

बिजेआरडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में रविवार को अध्यापक-अभिभावक सम्मेलन आयोजित किया। इस दौरान डायरेक्टर राजपाल यादव और चेयरपर्सन शीला यादव उपस्थित रहें। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के शैक्षिक विकास और

अभिभावकों की सहभागिता को बढ़ावा देना था। सम्मेलन में विभिन्न शैक्षणिक और सह-शैक्षणिक गतिविधियों पर चर्चा की गई, जिसमें विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति, परीक्षा परिणामों का विश्लेषण तथा भविष्य में सुधार के लिए योजना पर जोर दिया गया। सीईओ रमेश यादव ने विद्यालय के आगामी कार्यक्रमों और शिक्षण योजनाओं के बारे में भी विस्तार से बताया।

स्वयंसेवकों ने चलाया सफाई अभियान

नारनौल। पीएम श्री श्रेष्ठ मुरलीधर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय निवाजनगर में इंचार्ज कप्तान सिंह के नेतृत्व में सात दिवसीय एनएसएस शिविर के आयोजन की शुरूआत मुकेश कुमार डीपीई ने प्रांथना समा, एनएसएस गीत व योगासन सिंह से करवाई। एनएसएस वालंटियर ने स्कूल प्रांगण में सफाई का कार्य किया। शिविर में रिसोर्सपर्सन सुरेश कुमार व डॉ. हंसराज गुजर डीपीई राज्यपाल अवाडी ने नैतिक शिक्षा, चरित्र निर्माण, सम्य नागरिक निर्माण, कर्तव्य परायणता, कठोर परिश्रम, दूर दृष्टि, ईमानदारी व बड़ों के प्रति आदर भाव के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की। मंच संचालन दिनेश कुमार ने किया। इस मौके पर मुकेश कुमार वर्मा डीपीई, मधुबाला प्रवक्ता, कुमारी प्रियंका टीजीटी आर्ट, अलका सैनी, विनोद कुमार गोठवाल, महिपाल निखिल, विनोद कुमार आदि मौजूद रहे।

शारवती स्कूल में स्कॉलरशिप टेस्ट

महेंद्रगढ़। शारवती पब्लिक स्कूल द्वारा रविवार को दो केंद्र गांव मालड़ा तथा नांगल सिरोही में स्कॉलरशिप टेस्ट आयोजित किया गया। इस टेस्ट में बड़ी संख्या में बच्चों ने भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। नांगल सिरोही केंद्र पर प्रिंसिपल विक्रम सिंह तथा बौद्ध प्रिंसिपल राजेश कुमार ने निरीक्षण किया। दोनों ने परीक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और सभी आवश्यक इंतजामों की परख की। वहीं मालड़ा केंद्र पर दीपक यादव ने निरीक्षण का दायित्व संभाला तथा पूरी व्यवस्था को सुचारु रूप से चलाया। उन्होंने परीक्षा को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस स्कॉलरशिप टेस्ट में अच्छे प्रदर्शन करने वाले बच्चों को फीस में विशेष छूट का लाभ मिलेगा। शारवती पब्लिक स्कूल क्षेत्र के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है और ऐसे आयोजन आगे भी जारी रहेंगे।

महेंद्रगढ़। श्रीकृष्ण सीनियर सेकेंडरी स्कूल गुगारका में रविवार को परेट्ट टॉवर बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 1730 अभिभावकों ने अपने बच्चों के शैक्षणिक स्तर की जानकारी ली। स्कूल प्राचार्य देवपाल यादव ने बताया कि अभिभावक व टीचर्स के आपस में विचार विमर्श का मुख्य उद्देश्य बच्चों को आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने कहा कि पीटीएम में जाने से अभिभावकों को अपने बच्चे की प्रगति की जानकारी मिलती है, जो उनके विकास के लिए बहुत जरूरी है। चेयरमैन एडवोकेट राजपाल यादव ने अध्यापकों को बच्चों के साथ समान व्यवहार रखने का सुझाव दिया, जिससे बच्चों में आत्मविश्वास बना रहे। अभिभावकों ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि स्कूल बच्चों के शैक्षणिक व अन्य गतिविधियों के प्रति पूर्ण रूप से कार्य कर रहा है, जिससे बच्चों को एक समृद्ध और संतुलित शिक्षा मिल रही है।

श्रीकृष्ण स्कूल में पीटीएम आयोजित

नारनौल। श्रीकृष्ण सीनियर सेकेंडरी स्कूल गुगारका में रविवार को परेट्ट टॉवर बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 1730 अभिभावकों ने अपने बच्चों के शैक्षणिक स्तर की जानकारी ली। स्कूल प्राचार्य देवपाल यादव ने बताया कि अभिभावक व टीचर्स के आपस में विचार विमर्श का मुख्य उद्देश्य बच्चों को आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने कहा कि पीटीएम में जाने से अभिभावकों को अपने बच्चे की प्रगति की जानकारी मिलती है, जो उनके विकास के लिए बहुत जरूरी है। चेयरमैन एडवोकेट राजपाल यादव ने अध्यापकों को बच्चों के साथ समान व्यवहार रखने का सुझाव दिया, जिससे बच्चों में आत्मविश्वास बना रहे। अभिभावकों ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि स्कूल बच्चों के शैक्षणिक व अन्य गतिविधियों के प्रति पूर्ण रूप से कार्य कर रहा है, जिससे बच्चों को एक समृद्ध और संतुलित शिक्षा मिल रही है।

मॉडर्न स्कूल में अध्यापक अभिभावक सम्मेलन आयोजित

महेंद्रगढ़। मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल में अध्यापक-अभिभावक सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में कुल 245 अभिभावकों ने उपस्थित होकर अपने बच्चों की प्रगति रिपोर्ट प्राप्त की। कार्यक्रम की अध्यक्षता चेयरमैन सतन सिंह व संचालन प्राचार्य प्रदीप कुमार तंत्र ने किया। चेयरमैन सतन सिंह ने कहा कि बच्चों का सर्वांगीण विकास तभी संभव है जब विद्यालय और अभिभावक मिलकर एक टीम के रूप में कार्य करें। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि बच्चों में नैतिक मूल्यों, अनुशासन और आत्मविश्वास का विकास भी अत्यंत आवश्यक है। प्राचार्य प्रदीप कुमार तंत्र ने बताया कि अध्यापक-अभिभावक सम्मेलन शिक्षा व्यवस्था को एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

वरिष्ठ शाल्य चिकित्सक डॉ. दीपक सिंघल बने आईएमए के नए प्रधान

नारनौल। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की बैठक में नई कार्यकारिणी का संवत्सम्पत्ति से गठन किया गया, जिसमें वरिष्ठ शाल्य चिकित्सक डॉ. दीपक सिंघल को आईएमए नारनौल का अध्यक्ष चुना गया। वहीं डॉ. सज्जन सिंह यादव को उपाध्यक्ष, डॉ. विदुषी शर्मा को सचिव तथा डॉ. लक्ष्मीनारायण को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक के दौरान वर्ष 2025 की प्रधान रही डॉ. अलका यादव ने विधिवत रूप से अपना कार्यभार नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को सौंपा। इस अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों ने उनके कार्यकाल की सराहना की और संगठन के लिए किए गए प्रयासों को उल्लेखनीय बताया। इस मौके पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. दीपक सिंघल ने कहा कि आईएमए नारनौल के सभी सदस्य सतत चिकित्सीय शिक्षा, आधुनिक तकनीकी ज्ञान और गुणवत्ता में सुधार के लिए पूरी तरह समर्पित हैं। उन्होंने कहा कि वह संगठन से जुड़े सभी चिकित्सकों के हितों की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आईएमए से जुड़े सभी डॉक्टर अपने मरीजों की सेवा पूरे समर्पण, संवेदनशीलता और नैतिकता के साथ करेंगे रहेंगे। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दीं।

हरियाणा स्कूल में दो दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण संपन्न

हरिभूमि न्यूज़ | नारनौल

नांगल चौधरी रोड स्थित हरियाणा पब्लिक स्कूल में सीबीएसई की ओर से शिक्षकों के लिए दो दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को नवीन शिक्षण विधियों से अवगत कराना तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करना रहा। कार्यशाला का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण के साथ किया गया। कार्यशाला के प्रथम दिन रिसोर्सपर्सन पूजा मित्तल व विकास शर्मा ने विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य व कल्याण विषय पर



नारनौल। कार्यशाला में भाग लेने वाले शिक्षक।

फोटो: हरिभूमि

जानकारी साझा की। कार्यशाला के दूसरे दिन रिसोर्सपर्सन आदित्य प्रताप सिंह व विकास शर्मा ने बताया कि आज की शिक्षा प्रणाली में रटने के बजाय समझ आधारित, अनुभववाचक शिक्षा व तकनीक के समुचित प्रयोग पर विशेष ध्यान दिया जाना आवश्यक है। प्राचार्य सुनील यादव ने कहा कि इस प्रकार की प्रशिक्षण कार्यशालाएं शिक्षकों को नई सोच व नई दिशा प्रदान करती हैं। इस मौके पर संस्था के एमडी डॉ. हितेश वर्मा, निधि वर्मा, निदेशक पुष्करमल वर्मा व डीन मनोज भारद्वाज मौजूद रहे।

धार्मिक रात्रि पौने 9 बजे होगा चंद्र दर्शन: ताराचंद जोशी

सुबह आठ बजे चतुर्थी तिथि प्रारंभ होगी और सात जनवरी को सुबह करीब 6:52 बजे तक रहेगी

हरिभूमि न्यूज़ | कनीना।

प्रति वर्ष माघ मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को सकट चौथ यानी तिल कुटनी चौथ का व्रत पूरी श्रद्धा व आस्था के साथ किया जाता है। इसे संकट चतुर्थी, तिलकुटा चौथ के नाम से भी जाना जाता है। ताराचंद जोशी बुहाना ने बताया कि इस दिन विशेष रूप से महिलाएं उपवास रखती हैं और भगवान गणेश की विधिविधान से पूजा अर्चना करती हैं। मान्यता है कि यह

श्रद्धा और उल्लास पूर्वक 6 जनवरी को मनाई जाएगी तिल कुटनी चौथ

व्रत संतान के सुखद, सुरक्षित व उज्वल भविष्य के लिए अत्यंत फलदायी होता है। धार्मिक विश्वास के मुताबिक सकट चौथ का व्रत करने से संतान के जीवन में आने वाली बाधाएं और संकट दूर होते हैं। इस दिन गणपति बप्पा की कृपा से घर बनवारी में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहती है। व्रत के दौरान चंद्र दर्शन का विशेष महत्व होता है। चंद्र देखने के बाद ही व्रत पूर्ण माना जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार

2026 में छह जनवरी मंगलवार को तिलकुट का व्रत मनाया जाएगा। इस दौरान रात्रि को 8.50 बजे चंद्रोदय होगा। उन्होंने बताया कि यह दिन भगवान गणेश की विशेष कृपा प्राप्त करने के लिए शुभ माना गया है। छह जनवरी को सुबह आठ बजे चतुर्थी तिथि प्रारंभ होगी और सात जनवरी को सुबह करीब 6:52 बजे तक रहेगी। यह व्रत और पूजा करने से संतान सुख, सौभाग्य और परिवार में सुख शांति बनी जाती है।

शुभ मुहूर्त व पूजा विधि

धार्मिक मान्यता है कि बिना चंद्र दर्शन के इस व्रत को पूर्ण नहीं माना जा सकता। पंचांग के अनुसार छह जनवरी को चंद्रमा का उदय रात लगभग पौने नौ बजे होगा। इस समय चंद्र देव को जल, दूध व अक्षत मिश्रित जल से अर्घ्य दिया जाता है। इसके बाद ही व्रती महिलाएं उपवास खोलती हैं। चंद्रमा को चंद्रमा को अर्घ्य देने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और संतान को भविष्य का आशीर्वाद प्राप्त होता है। सकट चौथ के दिन प्रातः काल स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण कर महिलाएं व्रत का संकल्प लें। पूजा स्थान को साफ करें और चौकी पर भगवान श्रीगणेश के प्रतिमा को स्थापित करें। मोदक के लड्डू या तिल गुड़ से बने प्रसाद का भोग लगाएं। सकट चौथ की व्रत कथा का श्रवण करें।



पंडित ताराचंद जोशी।